बहुत ही सहज है राजयोग...

'बहुत ही सहज है राजयोग' के इस अंक में हम राजयोग की अन्य विधियों के बारे में जानने के साथ परमात्मा को याद करने के आधार के बारे में भी जानकारी प्राप्त करेंगे कि जहाँ सम्बन्ध होता है वहाँ याद स्वतः रहती है और यही याद आत्मा की परमात्मा के साथ होनी चाहिए।

गतांक से आगे...

4. घर जाकर घर के मालिक से मिलना : आप जब अपनी दुनिया में थके हारे कहीं से आते हैं और अपने घर जाते हैं तो अपने माता-पिता का हँसता हुआ चेहरा देख आपकी सारी थकान मिट जाती है और जब वह आपसे आपका हाल-चाल पूछते हैं तो कितनी खुशी होती है। फिर आपको ऊर्जा देने के लिए जलपान या खाना खिलाते हैं। आज आत्मा रूपी बैटरी पूरी तरह से थकी हुई है या डिसचार्ज है और विश्व की सभी आत्मायें भी डिसचार्जड हैं। जब आत्मा दूसरी आत्मा से मिलती है तो एक दूसरे को देख और डिसचार्ज हो जाती है क्योंकि सभी के अन्दर नकारत्मकता भरी पड़ी है। अब आत्मा को अपने असली घर परमधाम की सैर करनी ही पड़ेगी क्योंकि वहाँ हमारे मात-पिता शिव बाबा हमारी प्रतिदिन राह देखते हैं। कहते हैं कि हमारा बच्चा पूरे दिन इस कर्मक्षेत्र पर काम करते थक गया है, यदि वह मेरे पास आ जाये तो मैं उसकी सारी थकान मिटा दूँ। वो सर्वगुणों के सागर, सर्वशक्तिमान, दिव्य ज्योतिपुंज की किरणें जैसे ही आत्मा पर पड़ेंगी हमारी सारी थकान मिट जायेगी, इससे हमारा मन भी शान्त हो जायेगा।

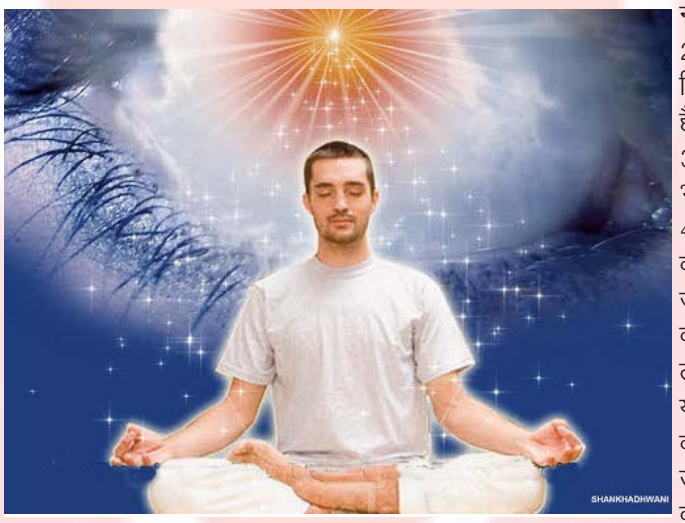

5. परिवार वालों को भी बाँटो : जैसे हम कहीं भी कुछ कमा के जाते हैं तो बहुत सारे गिफ्ट घर के लिए ले जाते हैं और सभी परिवार के सदस्यों को बाँटते हैं। ठीक उसी प्रकार जब हम परमधाम अपने घर में जाते हैं, परमात्मा से बहुत सारे गुणों और शक्तियों की किरणें लेकर भरपूर होते हैं। उसके बाद यदि उसे हम पूरे विश्व की आत्माओं को बाँटना शुरू करें तो पूरे विश्व में शांति, प्रेम, पवित्रता के प्रकंपन तीव्रता से फैलने लग जायेंगे। हम तो शांत होंगे ही और पूरा विश्व भी शांति से भर जायेगा।

योग भी एक तरह की टेलीपैथी है : जिस प्रकार टेलीपैथी के द्वारा मन के संकल्पों को दूसरे तक पहुंचाते हैं, ठीक उसी प्रकार आत्मा भी परमात्मा के साथ टेलीपैथी रूप से बात करती है। आज आत्मा की फ्रिक्वेंन्सी बहुत कम है अर्थात् बैटरी डिसचार्ज है। इसलिए परमात्मा द्वारा उतरने वाली तरंगों को हम ठीक प्रकार से कैच नहीं कर पाते। यदि हम अपने आत्मा की फ्रिक्वेंन्सी बढ़ा दें तो परमात्मा की बात को आसानी से कैच कर सकते हैं।

परमात्मा के साथ कुछ अन्य विधियों से भी जुड़ सकते हैं : शिव परमात्मा कहते कि तुम मुझे इतनी कठिन प्रक्रिया से क्यों याद करते हो? आप आसानी से भी तो मुझसे जुड़ सकते हैं, इसलिए परमात्मा ने योग शब्द को हटाकर याद शब्द का प्रयोग करना शुरु किया, क्योंकि योग एक जटिल प्रक्रिया लगती है जबकि याद नैचुरल या प्राकृतिक है।

याद करने के चार आधार हो सकते हैं :

1. जहाँ परिचय है वहाँ याद करना असंभव नहीं है।
2. जहाँ सम्बन्ध है अर्थात् जिससे थोड़ा बहुत भी सम्बन्ध है उसकी याद स्वतः आती है।
3. जहाँ स्नेह या प्यार है वहाँ भी याद स्वतः आती है।
4. जहाँ प्राप्ति हो वहाँ प्राप्ति कराने वाले की याद आती है। जहाँ सिर्फ परिचय है वहाँ याद करने की मेहनत हो सकती है। लेकिन जहाँ सम्बन्ध है वहाँ याद सताती है, जैसे माँ-बच्चे की याद। जहाँ स्नेह-प्यार है उस याद को समाने वाली याद कहते हैं, वो शिकायत वाली याद नहीं है। उदाहरण के लिए जब माँ बच्चे के लिए रात भर जागती है, कष्ट सहन करती है, लेकिन जब कभी बच्चा शरारत करता है, बात नहीं मानता है तो माँ कहती है कि मैंने रात भर जागा है। यहाँ पर तड़प है, कन्डीशन है। लेकिन आशिक-माशुक की याद में सुख और आनंद का अनुभव होता है। यही याद आत्मा की परमात्मा के साथ होनी चाहिए।

- क्रमशः

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-25

1		2	■	3	4		5	■	■
	■	6		■		■	7		
8			■	■	9	10		■	■
	■	■	11		■	12		13	
14	15	16		■	■	■	17		■
■	18		■	■	19			■	20
21	■		■	22		■	■	23	
24	25		■	26		■	27		
28		■	29		■	■	30		■
■		■	■		■	31			■

बनें विजेता : पहेली के कॉलम को काटकर व पेपर पर चिपकाकर उसके साथ उसका जवाब लिखकर हमें इस मीडिया के पीछे लिखे हुए पते पर भेजें। एक वर्ष के भीतर पूछे गए सभी पहेलियों में जिसका सबसे ज्यादा सही जवाब होगा उन्हें विजाताओं के लिस्ट में शामिल किया जाएगा और वर्ष के अंत में उन्हें आकर्षक ईनाम दिया जाएगा। इसलिए पहेली को ध्यान से पढ़िए, समझिए और भेज दीजिए हमारे पास उसका सही जवाब लिखकर और बनिए वर्ग पहेली के 'विजेता ऑफ द ईयर'।

पहेली की फोटो कॉपी या पोस्ट कार्ड पर भेजा गया पहेली का जवाब मान्य नहीं होगा। पहेली का जवाब भेजें तो उस लिफाफे पर आप अपना भी पूरा पता अच्छी लिखावट में लिखें, अपना मोबाइल नम्बर और हो सके तो अपना ई.मेल आईडी भी लिखकर भेंजें ताकि हमें पहेली का विजेता चुनने में कोई कठिनाई ना हो।

ऊपर से नीचे

1. इस दुनिया से परे, तीन बाप लौकिक, अलौकिक.... (5)
2. नर्क, दोज़क (3)
4. इज़्ज़त, लाज, आबरू (3)
5. आचरण, तौर तरीका, ढंग (3-3)
10. पराजित, असफल (2)
11. दिल की दवात में कलम डुबोकर बाबा तुम्हें एक ....लिखता हूँ, पत्र (2)
13. मूल्य, कीमत (2)
15. रास्ता, बाट, मार्ग (2)
16. ज़मींदार, धनाढ़य व्यक्ति(4)
19. निरंतर, लगातार (3)
20. अविवाहित, ब्रह्मचारी (3)
21. संसार, जगत, दुनिया (3)
22. भूगोल, धरती, सम्पूर्ण विश्व (4)
23. हज़म करना, पगुराना, जुगाली (4)
25. दिल, हृदय (3)
27. आराम, चैन, धीरज, स्थिरता (3)

बायें से दायें

1. पवित्र, शुद्ध (3)
3. तन, मन, धन सहित बाप पर .... जाना है, कुर्बान (4)
6. धूल के छोटे कण, गर्द, पराग (2)
7. मालिक, राजा, बादशाह (3)
8. दैहिक, सांसारिक, लोक सम्बन्धी (3)
9. जगत, संसार, दुनिया (3)
11. दुष्ट, शैतान, बुरी प्रवृत्ति वाला (2)
12. रसीला, रस से युक्त (4)
14. जादूगरी, करिश्मा (4)
17. मैं का बहुवचन (2)
18. समाधान, निराकरण (2)
19. सहने का भाव, आंगन (3)
22. 5 विकारों रूपी .... से सदा सावधान रहना है, बीता हुआ समय (2)
23. पार्वती, शंकर की पत्नी का नाम (2)
24. उपस्थित, मौजूद, उपलब्ध (3)
25. राय, विचार, सलाह (2)
27. नदी का ऊँचा किनारा, ऊँचा सिरा, टीला (3)
28. बहुमूल्य पत्थर, संख्या (2)
29. टुकड़ा, विभक्त, छोटा भाग (2)
30. वाद-विवाद, झगड़ा (2)
31. कार्य में लगना, कार्य सम्पन्न करना (3)

- ब्र.कु.राजेश,शांतिवन।

वाराणसी-उ.प्र.। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर प्रो. प्रिथवीश नाग को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुरेन्द्र बहन।

सोजत सिटी-राज.। ब्रह्माकुमारीज़ माउण्ट आबू द्वारा विश्वशांति एवं परमात्मा का सत्य परिचय देने हेतु चलाए जा रहे ओमशान्ति एक्सप्रेस के सोजत सिटी पहुंचने पर उसका स्वागत करते हुए ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. आरती, प्रधान गिरिजा राठौड़, नगरपालिका चेयरमैन मांगीलाल चौहान, बी.डी.ओ. तनु राम राठोर, जेलर बद्रीनारायण सिंह, सरपंच संघ अध्यक्ष मोटाराम जाट, मेहंदी उद्यमी राजुभाई स्टील, सत्तू भाई व अन्य।

सोनीपत-से.15(हरियाणा)। विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हैं ब्र.कु. प्रमोद बहन, ब्र.कु. सुनीता, बी.जे.पी. के प्रदेश प्रवक्तौ ललित बत्रा, डिस्ट्रीक्ट एग्रीकल्चर इंजीनियर रामपत झंगरा, सुबेदार मेजर वज़ीर रोहिल्ला व अन्य।

ओल-भरतपुर। 'अखिल भारतीय बेटी बचाओ सशक्त बनाओ' अभियान के अंतर्गत दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. शीला, ओल प्रधान वीरेन्द्र कुमार, जवाहर इंटर कॉलेज के प्रबंधक हरीओम जी, ओल थाना एस.आई. लक्ष्मीकांत यादव, प्रधानाध्यापक श्रीकांत वर्मा, ब्र.कु. भावना व अन्य।

उकलाना मण्डी-फतेहाबाद। समाजसेवी सुनीता जी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. किरण, ब्र.कु. दीपक व ब्र.कु. रमेश।

रिकाँग पियो-नमग्या। भारत तिब्बत बॉर्डर पुलिस (आई.टी.बी.पी.) की नमग्या बटालियन के लिए राजयोग शिविर उपरान्त समूह चित्र में ब्र.कु. सरस्वती के साथ इंस्पेक्टर मायाराम चौहान और उनके साथी।